RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-12 इतिहास

हिंदी माध्यम

ARJUN BATCH

यान्त्रिय नजरिये

Chapter-5 | Part-1



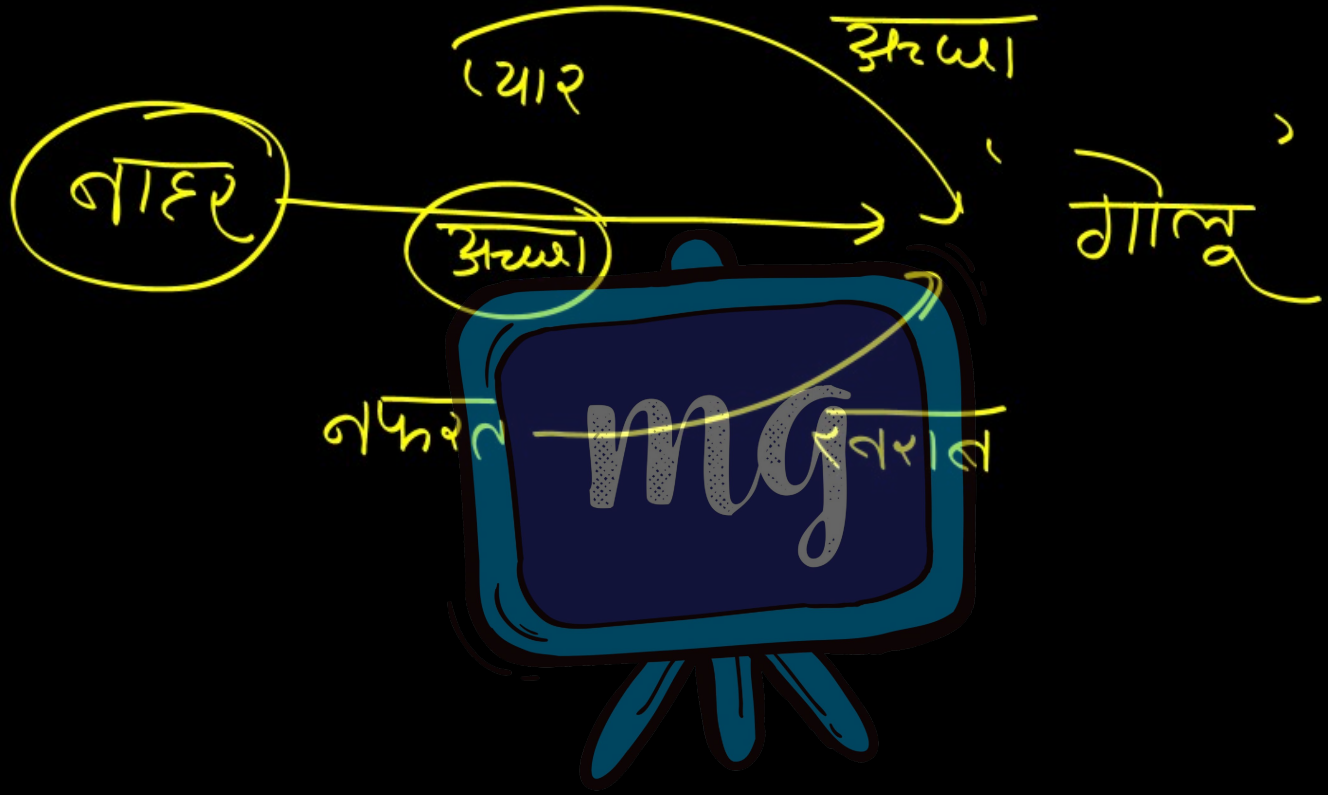
बाहर
अच्छा
बाहर
अच्छा
गोलू

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बाहरी → भारत



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढेंगे ?

1. मानव द्वारा की जाने वाली यात्राओं के कारण
2. अल - बिरुनी तथा किताब-उल-हिन्द
3. "हिन्दु शब्द की उत्पत्ति"
4. इब्न बतूता का रिहला
5. शिक्षा तथा मनोरंजन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

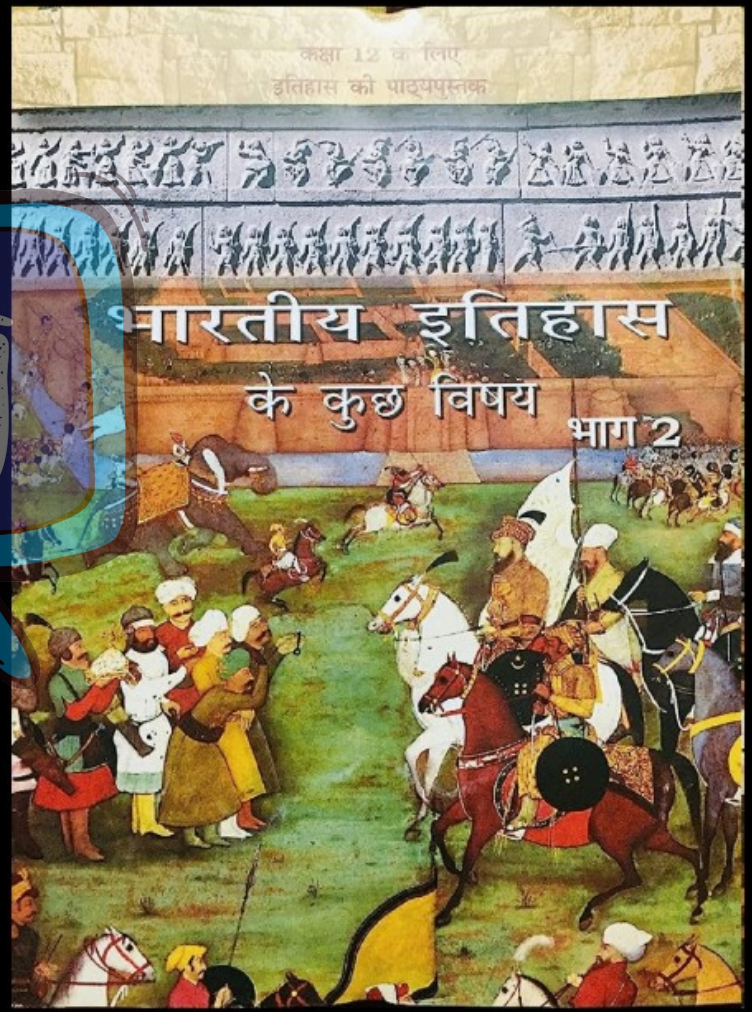

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सामान्यतया मानव द्वारा की जाने वाली यात्राओं के कारण :-

- कार्य की तलाश
- प्राकृतिक आपदाओं से बचाव
- व्यापारिक कारणों से
- सैनिक के रूप में
- पुरोहितों के रूप में
- तीर्थ यात्रियों के रूप में
- साहसिक यात्राऐं (वासको-डि-गामा, कोलम्बस)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

'गोलू' VLOG 'जयपुर'

मध्यकाल → भारत

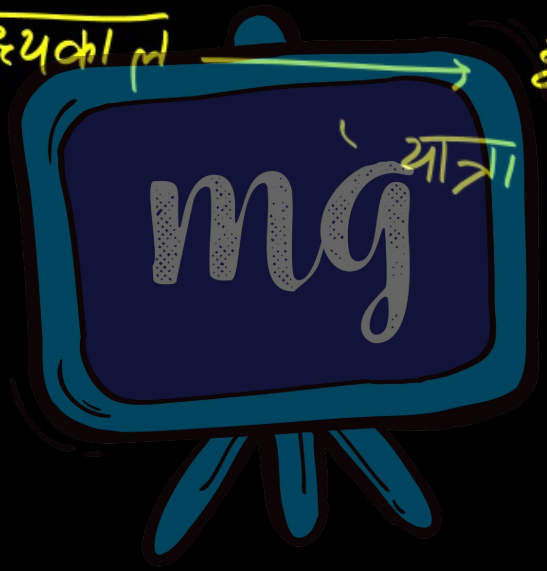

'यात्रा वृतान्त'

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यात्रा वृत्तान्त लिखे जाने के कारण :-

- भौतिक परिवेश में भिन्नता/अन्तर
- प्रथाओं में भिन्नता
- भाषाओं में भिन्नता
- आस्था तथा व्यवहार में भिन्नता



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यात्रा वृत्तान्त की विषय वस्तु :-

- वृत्तान्त :- विवरण
- यात्रा वृत्तान्त :- यात्रा के दौरान यात्रियों द्वारा लिखे गये विवरण
- दरबार की गतिविधियों से संबंधित
- धार्मिक विषयों से संबंधित
- स्थापत्य से संबंधित
- स्मारकों से संबंधित

इस अध्याय में तीन महत्वपूर्ण यात्रियों के वृतान्तों का अध्ययन करेंगे :-



1. अल-बिरूनी

- ग्यारहवीं शताब्दी में - उज्बेकिस्तान से
- सुल्तान महमूद गजनवी के साथ भारत आए।
- पुस्तक :- किताब-उल-हिन्द (अरबी भाषा)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. इब्न बतूता

- चौदहवीं शताब्दी में – मोरक्को (तैंजियर) से भारत आया।
- पुस्तक :– रिह्ला



3. फ्रांस्वा बर्नियर

- सत्रहवीं शताब्दी – फ्रांस से भारत आए।
- इनके यात्रा वृत्तान्तों से मध्यकालीन भारत के सामाजिक जीवन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।
- पुस्तक :– ट्रेवल्स इन मुगल एम्पायर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

① अलबरूनी - 11 - Uz - किताब - M.G
उल हिन्द

② इब्नबतूता - 14 - My - रिहला - तुगलक

③ फ्रांस्वा बर्नियर - 17 - Fr - Travels - शाहजहाँ
in Mughal
Empire.



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

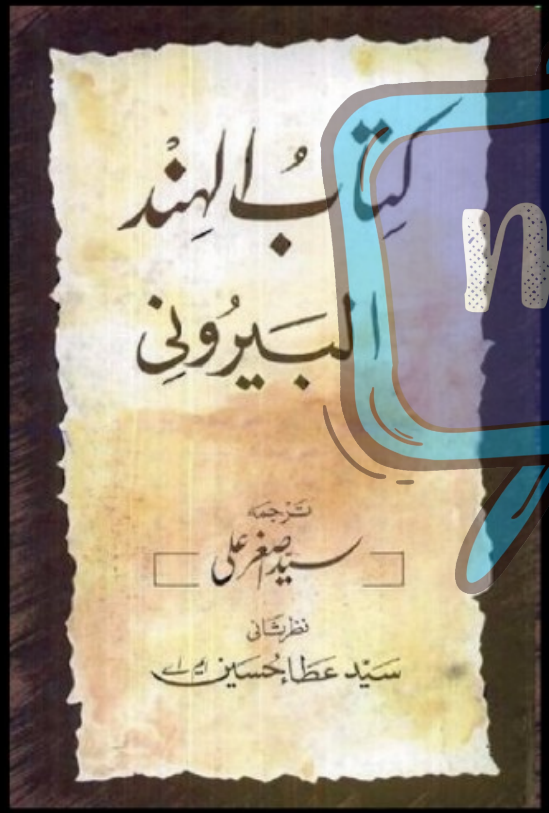

अल - बिरूनी तथा किताब-उल-हिन्द

अल-बिरूनी का जन्म - 973 ई. में उज़्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में (शिक्षा का महत्त्वपूर्ण केन्द्र)

भाषाओं का ज्ञान - सीरियाई, फ़ारसी, हिब्रू तथा संस्कृत, अरबी

- प्लेटों तथा अन्य यूनानी दार्शनिकों के कार्यों से भी परिचित।
- 1017 ई. में सुल्तान महमूद गजनवी का ख्वारिज्म पर आक्रमण हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जिसमें वह कई विद्वानों व व्यक्तियों को अपने साथ बन्धक बनाकर गजनी ले गया। 70 वर्ष की आयु में मृत्यु तक बाकी जीवन गजनी में बिताया।
- पंजाब के गजनवी साम्राज्य का हिस्सा बन जाने के बाद स्थानीय लोगो से आपसी विश्वास, समझ व सम्पर्क बढ़ा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अल-बिरूनी ने ब्राह्मण पुरोहितो तथा विद्वानों के साथ कई वर्ष बिताये व संस्कृत, धर्म तथा दर्शन का ज्ञान प्राप्त किया।
- संभवतः पंजाब व उत्तर भारत के कई हिस्सों में यात्रा की।
- अल-बिरूनी के वृत्तान्त सहारा रेगिस्तार से लेकर उत्तर में वोल्गा नदी तक फैले क्षेत्रों से सम्बन्धित है।
- वोल्गा नदी-यूरोप व यूरोपीय रूस की सबसे लम्बी नदी है जो कैस्पियन सागर में गिरती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

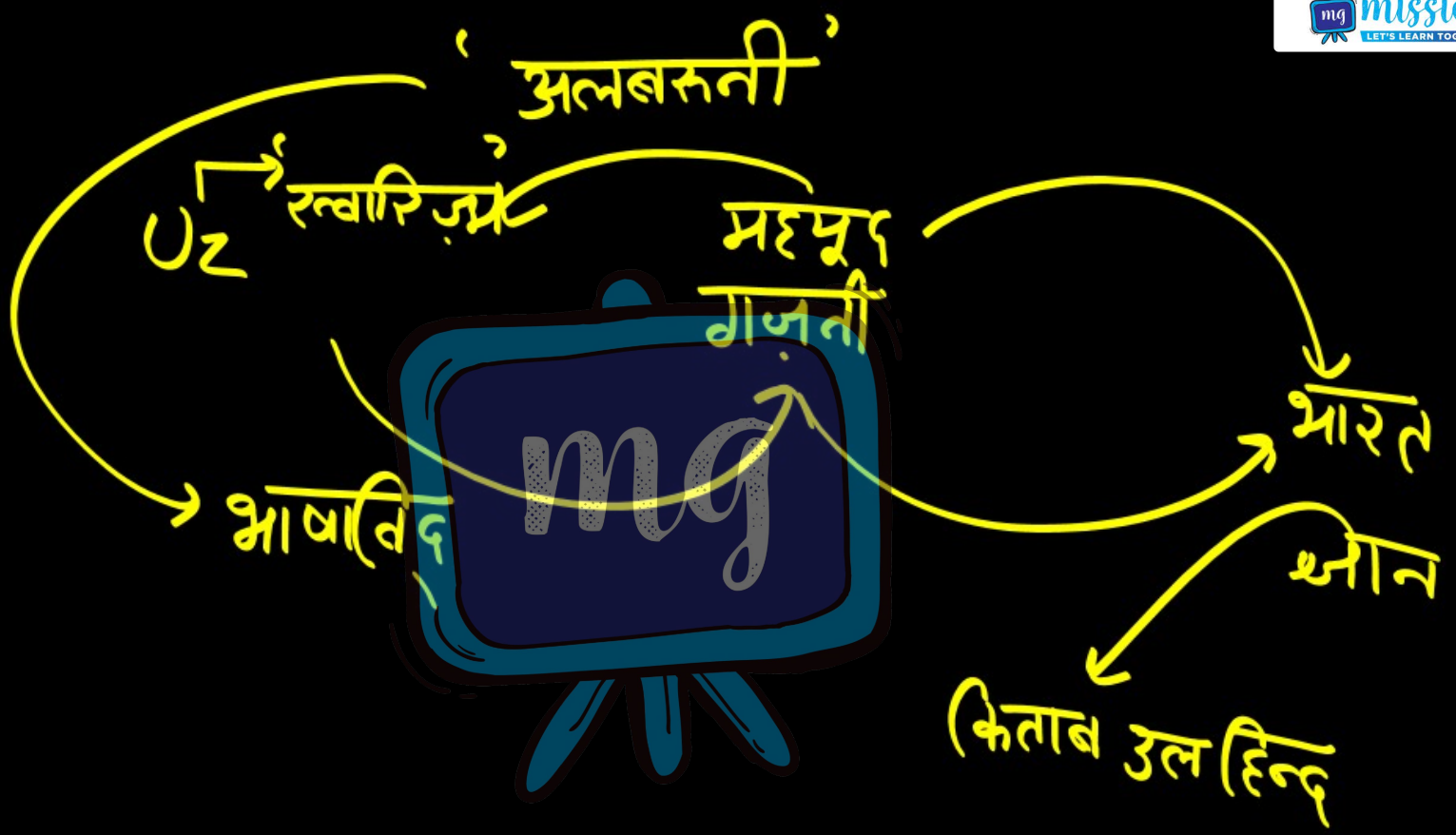

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

९. अलबरूनी का जीवन परिचय ?



प्र. " कौनसी भाषाओं का ज्ञान था?

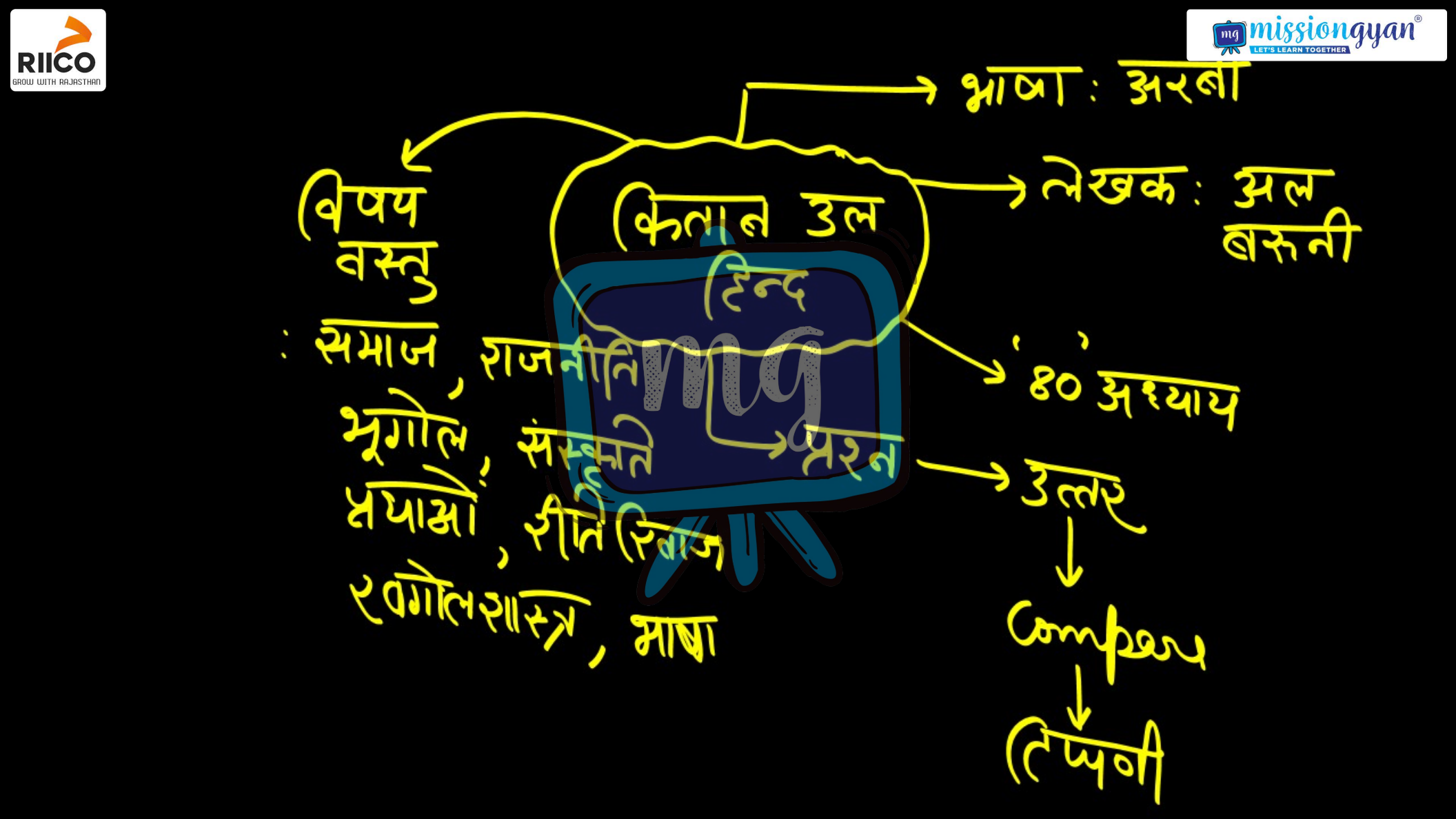
भाषा : अरबी
लेखक : अल बरूनी
किताब उल हिन्द
'80' अध्याय
प्रश्न
उत्तर
Comparison
टिप्पणी
विषय वस्तु : समाज, राजनीति, भूगोल, संस्कृति, धर्मों, रीति रिवाज, खगोलशास्त्र, भाषा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.

किताब-उल-हिन्द एक लेख लिखे ?

- लेखक - अल-बिरूनी
- अरबी भाषा में लिखा गया एक विस्तृत ग्रन्थ है।
- भाषा - सरल व स्पष्ट → जनसामान्य
- 80 अध्याय में विभाजित
- विषय :- धर्म व दर्शन, त्यौहार, खगोल विज्ञान, मूर्तिकला, कानून, मापतंत्र विज्ञान, रीति-रिवाजो, प्रथाओं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लेखन की विशिष्ट शैली-

- प्रारंभ में एक प्रश्न होता है।
- व फिर संस्कृतवादी परम्पराओं पर आधारित वर्णन और अंत में अन्य संस्कृतियों के साथ तुलना।
- अल बिरूनी संस्कृत, पाली तथा प्राकृत ग्रंथो के अरबी भाषा में अनुवाद तथा रूपान्तरणों से परिचित था। इनमें दन्तकथाओं से लेकर खगोल-विज्ञान, चिकित्सा सम्बन्धी ग्रन्थ भी शामिल थे। लेखन शैली के विषय में इनका दृष्टिकोण आलोचनात्मक था क्योंकि वह उनमे सुधार करना चाहता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कई भाषाओं में दक्ष होने के कारण अल-बिरूनी को भाषाओं की तुलना व अनुवाद में महारत हासिल थी।
- उसने पंतजलि के व्याकरण सहित कई संस्कृत ग्रन्थों का अरबी भाषा में अनुवाद किया। अपने ब्राह्मण मित्रों के लिए उसने यूक्लिड (एक यूनानी गणितज्ञ) के कार्यों का संस्कृत में अनुवाद किया।

Q. किताब उल हिन्द की भाषा के बारे में बताइये?

Q. किताब उल हिन्द की विषय वस्तु पर चर्चा करें?

Q. किताब उल हिन्द अपनी अनूठी लेखन शैली से क्यों प्रसिद्ध है?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

''हिन्दु शब्द की उत्पत्ति''

'हिन्दु' शब्द का उपयोग लगभग छठी-पाँचवी शताब्दी ई. पू. में प्रयुक्त होने वाले एक प्राचीन फ़ारसी शब्द, जिसका प्रयोग सिन्धु नदी के पूर्व के क्षेत्र के लिये होता था, से निकला है। अरबी लोगो ने इस फ़ारसी शब्द को जारी रखा और इस क्षेत्र को 'अल-हिन्द' तथा यहाँ के निवासियो को 'हिन्दी' कहा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



- कालान्तर में तुर्कों ने सिंधु से पूर्व रहने वालो को 'हिन्दू', उनके निवास को हिन्दुस्तान तथा इनकी भाषा को 'हिन्दवी' नाम दिया। इनमें से कोई भी शब्द लोगों की धार्मिक पहचान का द्योतक नहीं था। इस शब्द का धार्मिक संदर्भ में प्रयोग बहुत बाद की बात है।